कचनौदा बांध परियोजना महंगी क्यों हुई?

भारत डोगरा

यदि किसी परियोजना में बदलाव किया जाता है तो वह किसी संभावित समस्या के समाधान के लिए किया जाता है। पर यदि बदलाव आर्थिक दृष्टि से किया जाए और उससे परियोजना महंगी हो जाए और समस्याएं बहुत बढ़ रही हों तो ऐसे बदलाव के औचित्य के बारे में सवाल उठना स्वाभाविक है।

बहुत कुछ ऐसा ही मामला है ललितपुर ज़िले, उत्तर प्रदेश में सजनाम नदी पर बन रहे कचनौदा बांध का। वर्ष 2007 में 89 करोड़ रुपए की लागत पर यह योजना स्वीकृत हुई, पर 2009 में कुछ फेरबदल कर इस परियोजना की लागत को 425 करोड़ रुपए तक पहुंचा दिया गया। महज 2 वर्षों में परियोजना लागत को 4 से 5 गुना तक बढ़ा देना अपने आप में चिंता का विषय है। चिंता इस कारण तो कई गुना और बढ़ जाती है कि परियोजना में हुए बदलावों के कारण छः गांवों के लगभग दस हज़ार लोगों के लिए आजीविका व अस्तित्व का संकट उत्पन्न हो गया है।

बम्होरी सेहना, भैलीनी लोध व मोतीखेरा जैसे गांवों के लोगों ने बताया कि इस संशोधित परियोजना में ऐसी जगह 25 से 30 फीट की ऊंचाई पर नहर बनाने का कार्य आरंभ किया गया है जहां समानांतर में कुछ दूरी पर पहले से एक सूखी हुई नहर मौजूद है। यह अपव्यय व भ्रष्टाचार का ऐसा खेल है जिसकी महंगी कीमत गांववासियों को चुकानी पड़ेगी क्योंकि इतनी ऊंचाई से नहर ले जाने से आसपास के खेत व मकान सीपेज के संकट से त्रस्त हो जाएंगे। गांवों की सामान्य निकासी अवरुद्ध हो जाएगी व वहां पानी भरने का खतरा बहुत बढ़ जाएगा।

बम्होरी सेहना गांव की गुड्डी देवी ने बताया कि इस तरह तो हमारा गांव तबाह हो जाएगा अतः हम इसे रोकने के लिए गए थे। वहां कुछ असामाजिक तत्त्वों ने कहा कि विरोध किया तो तुम पर ट्रक चढ़ा देंगे।

मोतीखेड़ा गांव के देवीसिंह ने बताया कि वर्तमान रूप में परियोजना बहुत घातक है। अतः परियोजना को उसके पूर्व रूप में ले जाया जाना चाहिए जो सरकार के लिए काफी कम खर्च की भी है।

बम्होरी सेहना के बुजुर्ग करन सिंह ने बताया कि इतनी क्षति गांव सहन नहीं कर सकेगा और बर्बाद हो जाएगा। अतः शीघ्र ही अनुकूल निर्णय लेकर सरकार को इस गांव को बचाना चाहिए। कई जानकार व्यक्तियों ने कहा कि ठेकेदारों व भ्रष्टाचारियों की लॉबी है जो अनावश्यक रूप से खर्च बढ़ा रही है व इसी कारण से नहर को ऊंचाई से ले जा रही है। इन निहित स्वार्थों के कारण हज़ारों गांववासी संकटग्रस्त होंगे। ***(स्रोत फीचर्स)***

स्रोत के ग्राहक बनें, बनाएं

वार्षिक सदस्यता

व्यक्तिगत 150 रुपए **संस्थागत 300 रुपए**

सदस्यता शुल्क एकलव्य, भोपाल के नाम ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से

ई-10,शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016

के पते पर भेजें।